**हिन्दी प्रादेशिक समाचार**

**आकाशवाणी चंडीगढ़**

**(तिथि 23 जनवरी 2026, समय 1305 (5 मिनट)**

आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पराक्रम दिवस के तौर पर मनाई जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। संस्कृति मंत्रालय इस उपलक्ष्य में आज से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पराक्रम उत्सव का आयोजन कर रहा है।

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन और विरासत से जुड़े देश के 13 अन्य स्थानों पर भी यह उत्सव मनाया जाएगा। यह उत्सव उनके साहस, बलिदान और देशभक्ति की अमर विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मनाया जाता है। यह उत्सव 25 तारीख तक चलेगा।

**********

देश के विभिन्न हिस्सों में आज बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा का त्योहार धार्मिक और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन ज्ञान, विद्या और कला की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस के रूप में विशेष महत्व रखता है।

बसंत पंचमी के अवसर पर शिक्षण संस्थानों, मंदिरों और घरों में विशेष सरस्वती पूजा, पुस्तक पूजन और विद्यारंभ संस्कार किए जा रहे हैं।

**********

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने पराक्रम दिवस पर सुभाष चंद्र बोस को भी याद किया। नेता जी को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी में नेताजी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, आज उन्हीं के कारण हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिखाए रास्ते पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की नींव रखी जा रही है।

**********

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव के अंतर्गत पलवल में शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय पेंटिंग,निबंध,क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी मामराज रावत और खंड शिक्षा अधिकारी दयानंद रावत मौजूद रहे ।श्री दयानंद रावत ने बताया -

कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक, आस्था ने बताया -

**********

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत  हरियाणा के नूंह जिले में स्वीकृत विकासात्मक परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। जिला उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि अधिकांश परियोजनाओं में कार्य प्रगति पर है तथा कई योजनाओं में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पूरा भी किया जा चुका है।

उपायुक्त ने बताया कि  नूंह जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, महिला एवं बाल कल्याण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल शिक्षा एवं प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करने से संबंधित कुल 12 प्रमुख परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इन परियोजनाओं के लिए लगभग 36 करोड़ 20 लाख 56 हजार रुपये की स्वीकृति

प्रदान की गई, जिनमें से अब तक 13 करोड़ 20 लाख 43 हजार रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

उपायुक्त ने बताया कि उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में लागत प्रतिशत कम है, वहां कार्य में तेजी लाई जाए ताकि निर्धारित समय सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी विभागों के समन्वय से आने वाले समय में नूंह जिला आकांक्षी जिला कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्रभावी रूप से हासिल करेगा।

**********

सरकार ने जनगणना के पहले चरण के दौरान नागरिकों से पूछे जाने वाले 33 प्रश्नों की सूची जारी कर दी है। यह चरण एक अप्रैल से शुरू हो होगा। पहले चरण में घरों की सूची तैयार की जाएगी। सर्वेक्षण के दौरान जनगणना अधिकारी घर के स्वामित्व की स्थिति, घर के उपयोग, कमरों की संख्या तथा परिवार के मुखिया के लिंग के बारे में जानकारी ली जाएगी। नागरिकों से उनके घरों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं के बारे में भी पूछा जाएगा।

**********